फागण आया है | by Arpita Pandit Geeti

मन में बायजी शहनाई के फागण आया है
फागण आया है .....
फागण तो आया है .....

कार्तिक सुधि की ग्यारस ज्यूँ ज्यूँ है बीते जाती
चंग धमालों की गूंजे कानो में रहे आती
सब प्रेमी नाचे हैं, संग श्याम भी नाचे हैं
और मुख से बाचे है
फागण आया है .....
फागण तो आया है .....

टिकट कटा लेते हैं खाटू नगरिया जाते
पैदल मिल रींगस से श्याम निशान उठाते
हम पैदल चलते हैं, नाम शयाम का जपते हैं
और हिवड़े से कहते
फागण आया है .....
फागण तो आया है .....

खाटू ज्यूँ हम पहुंचे दरबार में हम जाएँ
अपने बाबा को हम होली का रंग लगाएं
हम निशान चढ़ाते हैं, वो कृपा बरसाते hain
और हम मौज में गाते हैं
फागण आया है .....
फागण तो आया है .....

फागण की वो बारस जैसे ही नीडे आती
पलकें भीगी केशव की नज़रें नीर मय बहाती
हम अश्क़ बहाते हैं, तोरण द्वार पे आते हैं
रोते आधार ये कह देते
फागण बीता रे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a3-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-arpita-pandit-geeti/